PEN2PRINT®

[साहित्य संहिता](http://www.sahityasamhita.org/)

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN 2454-2695

Volume 03 Issue 06

June 2017

किसने है ख्वाबों को पकरा

अरुण कुमार शर्मा

किसने है ख्वाबों को पकरा
मन के पंछी को न कोई पिंजरा
ख्यालों के उन्मुक्त गगन में
इस छोटे से जीवन में
कितने ख्वाब मन बुन रहा है
कितने प्रीतम मन चुन रहा है
तक रहा चकोर मन चाँद की रह
बयाँ भी तो कैसे करे अपने मन की चाह
देख रहा नयन नित नए स्वप्न
कभी ख्याल कभी उलझन में है मन
एक ख्वाब टूटे और बिखर गए
तो सौ नए स्वपन जन्म लिए
ज्यों चाँद छुपा और तारें निकल आये
एक का मन हमें मिला
सौ को अपना अर्पण किये
ख्याल के समयाने में
हर शाम नयी महफ़िल सजी

PEN2PRINT®
Edupedia Publications Pvt Ltd
साहित्य संहिता
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 03 Issue 06
June 2017

'साहिल' के तराने पे
गीत के दिल में नयी सज बजी
हर गम आपना और हर ख़ुशी अपनी